व्यसनमुक्त, शिक्षित व संस्कारवान समाज का निर्माण करें

हिसार 8 मार्च 2009। समाज के विकास के लिए व्यसनमुक्ति, शिक्षा व संस्कारों पर जोर दिया जाना चाहिए। यह उद्‌गार आचार्य श्री माहाप्रज्ञ के सुशिष्य मुनि श्री कमल कुमार ने मारवल सिटी मे तेरापंथ सभा हरियाणा की साधारण प्रतिनिधि सभा की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा।

जैन समाज के प्रतिनिधियों को मार्गदर्शन करते हुए मुनि श्री ने कहा की भौतिक विकास की आड़ में समाज में नैतिक मुल्यों मे गिरावट आई है। इसके लिए सबको मिलकर युवा पीढ़ी को धार्मिक संस्कार अपनाने की शिक्षा देनी चहिए। उन्होने कहा की जैन शब्द से ही शिक्षित, व्यसनमुक्त तथा संस्कारवान समाज की पहचान होनी चाहिए। उन्होने दैनिक चर्या मे भी गुरु और धर्म को याद रखने का आह्वान किया। मुनिश्री ने हरियाणा प्रदेश को धार्मिक और आध्यात्मिक धरा करार करते हुए कहा कि इस प्रदेश के लोगों मे मेहनत, कार्य निष्ठा और भक्ति बेजोड़ है। उन्होने अपने लगाव का इजहार करते हुए कहा कि पूरा प्रदेश उनका घर है और यहां विचरण करते हुए आनंद आता है।

आज के कार्यक्रम का आरम्भ मंगलाचरण से हुआ तेरापंथ सभा हरियाणा के अध्यक्ष एवं मारवल ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री रघुवीर जैन ने मुनिश्री एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सभा की प्रगति रिर्पोट से अवगत कराया सभा का लक्ष्य युवा पीढी को धार्मिक और संस्कारी बनाना है।